



# The President of India

To Ramesh Ramakurung Thattu Greeting:

I, reposing special Trust and Confidence in your Fidelity, Courage, and good Conduct, do by these Presents Constitute and Appoint you to be Pilot Officer in the Indian Air Force from the 3rd day of October Nineteen hundred and Sixtyseven.

I, therefore, charge and command you carefully and diligently to discharge your Duty in that Rank or in any higher Rank to which you may from time to time hereafter be promoted or appointed, of which a notification will be made in the Gazette of India, and to obey such directions as from time to time you shall receive from me or any of your superior Officers and to observe and execute the Rules, Regulations and Orders for the Governance of the Indian Air Force.

And, I do hereby charge and command the Officers and Men subordinate to you to conduct themselves with all due Respect and Obedience to you as their Superior Officer.

Given at New Delhi this 11th day of September Nineteen hundred and Seventy.

*V. V. Giri*  
President of India

Secretary to the Govt. of India,  
Ministry of Defence.



सत्यमेव जयते

# भारत का राष्ट्रपति

रमेश पाण्डुरंग धाट्टे को स्वस्तिवचन,

मैं, आपकी वफ़ादारी, साहस और सदाचार में विशेष आस्था और विश्वास करके इन उपहारों द्वारा आपको भारतीय वायु सेना में पाइलट अफसर कोटि में सन १९६७ के अक्टूबर मास के तीसरे दिवस से प्रतिष्ठित और नियुक्त करता हूँ।

अतएव मैं आपको यह प्रभार और आदेश देता हूँ कि आप अपनी इस कोटि में के या इससे उच्चतर किसी कोटि में के जिसपर समय समय पर एतत् पश्चात् आप पदोन्नत या नियुक्त हों जिसकी सूचना भारत के गज़ट में दी जायगी अपने कर्तव्यों का सावधानी और श्रमशीलता से पालन करें और मुझसे या अपने किसी उच्चतर पदधारी से मिलनेवाले निर्देशों को मानें तथा भारतीय वायु सेना के शासन सम्बन्धी नियमों, विनियमों और आदेशों का पालन और निष्पादन करते रहें।

तथा मैं आपके मातहत पदधारियों और आदमियों को यह प्रभार और आदेश एतत् द्वारा देता हूँ कि वे आपका अपने उच्चतर पदधारी के रूप में आदर और आज्ञानुवर्तन करें।

सन १९७० के सितम्बर मास के आज ग्यारहवें दिवस को नई दिल्ली में प्रदत्त।

व. व. गि. रि.

भारत का राष्ट्रपति

हरि शंकर सराव